Bagla Pratyangira Kavacham

बगला प्रत्यंगिरा कवच

Sumit Girdharwal Ji
9540674788, 9410030994
sumitgirdharwal@yahoo.com
www.baglamukhi.info
www.yogeshwaranand.org

इस कवच के पाठ से वायु भी स्थिर हो जाती है। शत्रु का विलय हो जाता है। विद्वेषण, आकर्षण, उच्चाटन, मारण तथा शत्रु का स्तम्भन भी इस कवच के पढ़ने से होता है। बगला प्रत्यंगिरा सर्व दुष्टों का नाश करने वाली, सभी दुःखो को हरने वाली, पापों का नाश करने

वाली, सभी शरणागतों का हित करने वाली, भोग, मोक्ष, राज्य और सौभाग्य प्रदायिनी तथा नवग्रहों के दोषों को दूर करने वाली हैं। जो साधक इस कवच का पाठ तीनों समय अथवा एक समय भी स्थिर मन से करता है, उसके लिए यह कल्पवृक्ष के समान है और तीनों लोकों में उसके लिए कुछ भी दुर्लभ नहीं है। साधक जिसकी ओर भरपूर दृष्टि से देख ले, अथवा हाथ से किसी को छू भर दे, वही मनुष्य दासतुल्य हो जाता है।

इस कवच के पाठ से भयंकर से भयंकर तंत्र प्रयोग को भी नष्ट किया जा सकता है लेकिन इसका पाठ केवल बगलामुखी में दीक्षित साधक ही कर सकते हैं। बिना गुरू आज्ञा के इसका पाठ नही करना चाहिए।

विनियोग : अस्य श्री बगला प्रत्यंगिरा मन्त्रस्य नारद ऋषिस्त्रिष्टुप छन्दः प्रत्यंगिरा ह्लीं बीजं हूं शक्तिः ह्रीं कीलकं ह्लीं ह्लीं ह्लीं ह्लीं प्रत्यंगिरा मम शत्रु विनाशे विनियोगः ।

मंत्र : ओम् प्रत्यंगिरायै नमः प्रत्यंगिरे सकल कामान् साधय मम रक्षां कुरू कुरू सर्वान् शत्रुन् खादय-खादय, मारय-मारय, घातय-घातय ओम् ह्रीं फट् स्वाहा।

Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji
9410030994, 9540674788
sumitgirdharwal@yahoo.com, shaktisadhna@yahoo.com
www.baglamukhi.info, www.yogeshwaranand.org

ओम् भ्रामरी स्तम्भिनी देवी क्षोभिणी मोहनी तथा ।

संहारिणी द्राविणी च जृम्भणी रौद्ररूपिणी ।।

इत्यष्टौ शक्तयो देवि शत्रु पक्षे नियोजताः ।

धारयेत कण्ठदेशे च सर्व शत्रु विनाशिनी ।।

ओम् ह्रीं भ्रामरी सर्व शत्रून् भ्रामय भ्रामय ओम् ह्रीं स्वाहा ।

ओम् ह्रीं स्तम्भिनी मम शत्रून् स्तम्भय स्तम्भय ओम् ह्रीं स्वाहा ।

ओम् ह्रीं क्षोभिणी मम शत्रून् क्षोभय क्षोभय ओम् ह्रीं स्वाहा ।

ओम् ह्रीं मोहिनी मम शत्रून् मोहय मोहय ओम् ह्रीं स्वाहा ।

ओम् ह्रीं संहारिणी मम शत्रून् संहारय संहारय ओम् ह्रीं स्वाहा ।

ओम् ह्रीं द्राविणी मम शत्रून् द्रावय द्रावय ओम् ह्रीं स्वाहा ।

ओम् ह्रीं जृम्भणी मम शत्रून् जृम्भय जृम्भय ओम् ह्रीं स्वाहा ।

ओम् ह्रीं रौद्रि मम शत्रून सन्तापय सन्तापय ओम् ह्रीं स्वाहा ।

(इति श्री रूद्रयामले शिवपार्वति सम्वादे बगला प्रत्यंगिरा कवचम्)

Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji
9410030994, 9540674788
sumitgirdharwal@yahoo.com, shaktisadhna@yahoo.com
www.baglamukhi.info, www.yogeshwaranand.org

हमारे शास्त्रों में करोड़ो मंत्र हैं लेकिन हर मंत्र आपके लिए सही नही है। शिष्य के लिए कौन सा मंत्र सही है इसका निर्णय केवल गुरू ही कर सकता है। इसलिए आप केवल अपने आप को योग्य गुरू को समर्पित कर दीजिए, इसके बाद गुरू स्वयं आपको सही राह दिखायेगा।

यदि आपको हमारे द्वारा लिखे गये लेख पंसद है तो कृपया हमें अपनी ईमेल आईडी अवश्य भेजें । उसके पश्चात हमारे द्वारा लिखे सभी लेख हम आपको सीधे आपकी ईमेल पर ही भेज देंगें। हमारा ईमेल है –

sumitgirdharwal@yahoo.com

People, who are unable to read Hindi or Sanskrit & want to read our articles, please send your request for the English translation with the article name & its link to sumitgirdharwal@yahoo.com. Based on the number of request for the particular article we will try to translate it into English as soon as possible.

Our Books

1. **Mahavidya Shri Baglamukhi Sadhna Aur Siddhi**

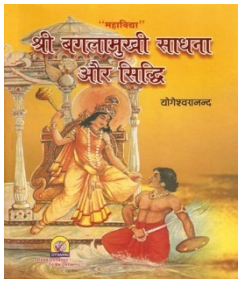

Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji
9410030994, 9540674788
sumitgirdharwal@yahoo.com, shaktisadhna@yahoo.com
www.baglamukhi.info, www.yogeshwaranand.org

2. **Mantra Sadhana**

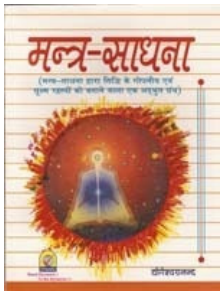

3. **Shodashi Mahavidya** (Tripursundari Sadhana)

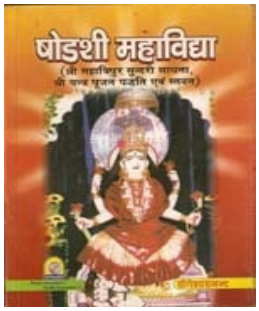

4. Shri Baglamukhi Sadhana Rahasya

श्री बगलामुखी साधना रहस्य का प्रकाशन जल्द ही किया जा रहा है। यह पुस्तक लगभग ७०० पृष्ठ की है जिसमें मां पीताम्बरा की साधना की पूर्ण विधि दी गयी है। इस पुस्तक को प्राप्त करने के लिए Rs 800/= नीचे लिखे अकाउण्ट में जमा करायें

Sumit Girdharwal
Axis Bank
912020029471298
IFSC Code – UTIB0001094

Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji
9410030994, 9540674788
sumitgirdharwal@yahoo.com, shaktisadhna@yahoo.com
www.baglamukhi.info, www.yogeshwaranand.org